VALUE 360 COMMUNICATIONAS
NEWS WATCH

Aaj Samaj

Date: 17/07/2009
Edition: Noida

Page: 04
Language: Hindi

एमबीए की शिक्षा कॉर्पोरेट जगत के लायक नहीं!

नोएडा। देश में अब इंजीनियरिंग के बाद एमबीए की पढ़ाई पर भी सवाल उठने लगे हैं। यहां के प्रबंधन पाठ्यक्रमों में जिस तरह की शिक्षा दी जा रही है, वह कॉर्पोरेट जगत में फिट नहीं बैठ रही है। फिक्की, सीआईआई, बिजनेस स्कूल ऑफ दिल्ली, कोटक महेन्द्रा, कोकाकोला, वोडाफोन, एचडीएफसी, इंडियाबुल, आईसीआईसीआई, होंडा जैसे तमाम दिग्गज कंपनियां और छात्रों को लेकर बीच गुरुवार को सेक्टर-62 स्थित आईआईएम लखनऊ कैंपस में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। एलिमेंट्स एकेडेमिया द्वारा आयोजित इस सेमिनार में एमबीए की पढ़ाई में गायब तत्वों के विषय पर चर्चा की गई। सेमिनार का उद्देश्य एमबीए छात्रों को कॉर्पोरेट सेक्टर के लिए अधिक से अधिक सक्षम बनाना था। एमबीए की पढ़ाई में 'क्या काम करता है' और 'क्या काम नहीं करता' की जांच और उसके विश्लेषण में पाया गया कि भारत में वर्तमान शिक्षा प्रणाली में खामियां हैं। हैरानी की बात यह है कि कॉरपोरेट जगत के मुताबिक अवसरों की कमी नहीं है, लेकिन नौकरी के लायक 'उपयुक्त' उम्मीदवार उन्हें नहीं मिल पाते। इस अवसर पर एलिमेंट्स एकेडेमिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निशांत सक्सेना ने कहा कि सेमीनार के जरिए छात्रों की कार्यक्षमता का विस्तार किया जाएगा, उपयुक्त समाधान ढूंढने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने उद्योग जगत से अपील की कि वे भारत के युवाओं की कार्यक्षमता विस्तार में मदद करे, जिससे देश के बेहतर भविष्य की नींव रखी जा सके। वहीं फिक्की की संयुक्त निदेशक शोभा मिश्रा ने कहा कि आज उद्योग जगत को हरफनमौला युवाओं की आवश्यकता है।

काउंसलिंग अब 22 से

नोएडा। निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रथम वर्ष के दाखिले के लिए यूपीटीयू की काउंसलिंग अब 22 जुलाई से होने की संभावना है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो अगस्त के पहले सप्ताह से इस सत्र की पढ़ाई भी कॉलेजों में शुरू हो जाएगी। आरक्षण के विरोध में तमाम निजी कॉलेजों के प्रबंधकों ने हाईकोर्ट में एक याचिका दायर करने के बाद हाईकोर्ट ने निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में आरक्षण पर रोक लगाई थी।